3500 से अधिक निवेशक आएंगे

लखनऊ, विसं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जीबीसी@4 की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि छह वर्ष बाद जीबीसी@4 में एक साथ 10 लाख 11 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों के ग्राउंड ब्रेकिंग की तैयारी है। यह बदलाव, यह स्पीड नए उत्तर प्रदेश की पहचान है। जीबीसी@4 में 500 करोड़ रुपये से अधिक की 262 परियोजनाएं सम्मिलित हैं, जबकि 100-500 करोड़ तक 889 औद्योगिक परियोजनाएं जमीन पर उतरेंगी। महत्वपूर्ण यह भी कि सभी 75 जनपद इससे लाभान्वित होंगे। 3500 से अधिक निवेशक इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे।

निवेशकों के लिए करें पुख्ता इंतजाम: मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह में अनेक केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राजदूतों, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी होनी है, ऐसे में अति विशिष्ट जनों की सुरक्षा व सत्कार प्रोटोकाल का पूर्णतः अनुपालन किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम फेलो की काउंसलिंग, ट्रेनिंग कर उन्हें इन अतिविशिष्टजनों के साथ संबद्ध किया जाए। औद्योगिक जगत के शीर्षस्थजनों, उद्यमियों, निवेशकों आदि गणमान्य व्यक्तियों की आवासीय व्यवस्था, भोजन, आवागमन, पार्किंग के समुचित प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के पहले सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस, आईएफ़एस अधिकारियों, कुलपतियों के सहयोग से युवाओं के साथ इन्वेस्टर्स समिट की उपयोगिता, महत्ता, प्रभाव के बारे में संवाद का अभिनव प्रयास किया गया था। इससे अच्छा संदेश गया। जागरूकता बढ़ी। जीआईएस से हमारे युवाओं का जुड़ाव बढ़ा है।

पीएम के भाषण का सभी जिलों में होगा सीधा प्रसारण

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जीबीसी@4 के दृष्टिगत पूरी राजधानी लखनऊ को सजाया जाए। स्वच्छता का परिवेश हो। स्पाइरल लाइट लगाएं। टैक्सी स्टैण्ड, होर्डिंग आदि व्यवस्थित रखें। शहीद पथ पर सीसीटीवी क्रियाशील रहें। पूरे वीवीआईपी रूट का सीसीटीवी कवरेज हो। अराजक तत्वों की कड़ी निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन का सभी जिलों में सीधा प्रसारण कराया जाए। इसके लिए स्क्रीन लगाई जाए। जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय उद्यमियों, व्यापारियों को आमंत्रण पत्र भेजा जाए।

सीएम ने दिए छात्रों को आमंत्रित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 20 और 21 फरवरी को विभिन्न विषयों पर सेक्टोरल सेशन आयोजित होने हैं। ज्ञानार्जन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी इस समारोह में विभिन्न तकनीकी, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थानों के छात्रों को आमंत्रित करें। उनके आवागमन की समुचित व्यवस्था की जाए। सभी एसीएस-प्रमुख सचिव अपने विभागीय मंत्रियों के नेतृत्व में अपने विभागों को प्राप्त हर एक औद्योगिक निवेश प्रस्ताव की तत्काल समीक्षा करें।